Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग और कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं:- 09 दिनांक 09/07/2021

ZOOM000A_AWY स्थान - बड़नावा चारणान्

ट्रैक समयावधि 33:05

कलाकार का नाम - (रमजान खां) गायन /वादन

पिता का नाम . ~~छुगे~~ खां गफूर खां

पता -> गांव बड़नावा चारणान् तह० पचपदरा जिला बाड़मेर राजस्थान (3A-AD32)

सहायक कलाकार

1

2

3

ओडियो विडियो रिकॉर्डिंग का समय

विषय- कथा (नागजी)

विशेष विवरण -

ये कहानी है नागमती और नागजी के जीवन पर आधारित इस कहानी में हम जानेंगे कैसे इन दोनों का प्रेम हुआ और कैसे जीवन बिताया। - बात उस समय की है जब जाखड़ा अस्थर अपने परिवार सहित धवलदे वाले के यहा रहने के लिए आता है। उस समय उसकी बेटी नागमती भी उनके साथ होती है। और धवलदे वाले का एक बेटा होता है ~~जिसका~~ जिसका नाम होता है (नागजी) नाग जी अपने खेत में अपने माले पर रहा करता है।

उनकी भाभी हमेशा नागजी के लिए भोजन लेकर माले पर जाती है। एक दिन नागमती ने नागजी की भाभी से पूछा की आप हर रोज भोजन लेकर किसको देने जाती है। तब उसने कहा की मेरा देवर है नागजी जो माले पर रहता है मैं उन्हीं के लिए भोजन लेकर जाती हूं। तब नागमती ने कहा की मैं भी चलूं आपके देवर को देखने आपके साथ।

Anand
DATE :
PAGE NO. :

फिर वह दोनो माले पर जाती है तो नागमती देखती है कि नागजी बहुत ही खूबसूरत है उस समय नागमती नागजी की भाभी से केहती है की मुझे इनसे दो बाते करनी है। तब नागजी केहता है कि मैं बिना मतलब किसी स्त्री से बात नहीं करता। तब नागमती केहती है कि मैं आपसे विवाह के लिए तैयार हूं और उपाध्या ब्राह्मण उन दोनों को फेरा खिलाता है और दोनो शादी के पवित्र बन्धन में बन्ध जाते है। तो अब हर रोज नागमती मल पर आने लगी।

कुछ समय बाद नागमती के पिताजी को इस बात की खबर हो जाती है और वह नागजी पर जानलेवा हमला करता है। नागजी किसी तरह से बच जाता है तब नागजी के पिता जी नागमती के पिता नारवड़ अय्यर से केहता है कि तुम इसकी शादी कर दो। उस समय उमरा-सुमरा सिन्ध से आते है और नागवती के साथ उनका विवाह तय हो जाता है। परिवार के सारे लोग शादी की तैयारियों में लग जाते है।

उधर नागजी नागवती का इन्तजार कर रहे होते है। काफी समय बीत जाता है। पर नागवती वहा नहीं पहुंच पाती है। तो नाग जी अपनी ही कटार (चाकू) से खुद को खत्म कर देते है। उमरा-सुमरा के साथ विवाह के फेरे से पेहले नागमती मन्दिर के बहाने नागजी से मिलने माले पर जाती है तो देखती है कि नागजी वहा मरे पड़े है। नागजी को मरा हुआ देखकर इसे बहुत दुख होता है। यह नागजी को आरोगी पर रख कर लौट आती है।

उमरा-सुमरा जब बरात लेकर वापस रवाना होते है तब नागमती केहती की आप बरात को उस मन्दिर के पास से गुजारना (जहां नागजी की आरोगी रखी हुई थी) जैसे ही वह बरात जलती हुई नागजी की आरोगी के पास पहुंचती है। नागमती उसमे कूद जाती है। तो सारे लोग वहा से भाग जाते है। उस समय अचानक बारिश हो जाती है और नागमती तब तक आधी जल जाती है।

Anand
DATE
PAGE NO.:

बारिश होने से आग बुझ जाती है। और नागमती नागिनी को अपने आगोश में लेकर रोने लगती है तब अचानक वहा पर शिव और पार्वती वहा पहुंच जाते है और उन दोनो को एक नया जीवन प्रदान करते है। फिर वह हमेशा के लिए एक हो जाते है।